मुद्रा परिचलन में वृद्धि

2523. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुद्रा के परिचलन में निरन्तर वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो 1990–91 और 1991–92 के वित्तीय वर्षों के दौरान धन की आपूर्ति में अलग-अलग कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ;

(ग) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान धन की आपूर्ति में कितने प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है ;

(घ) जून, 1990 की स्थिति के अनुसार देश में कुल धन आपूर्ति कितनी थी और जनवरी, 1993 की स्थिति के अनुसार यह राशि कितनी थी; और

(ङ) धन आपूर्ति और मुद्रा परिचलन में निरन्तर वृद्धि के क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) जी, हां।

(ख) वित्तीय वर्ष 1990–91 और 1991–92 के दौरान मुद्रा पूर्ति में वृद्धि क्रमश: 15.1 प्रतिशत और 18.5 प्रतिशत थी ।

(ग) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मुद्रा पूर्ति में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की प्रत्याशा है ।

(घ) जून, 1990 और जनवरी, 1993 के सूचना देने के अंतिम शुक्रवार को देश में मुद्रा पूर्ति की कुल राशि क्रमश: 2,41,505 करोड़ रुपये और 3.53,855 करोड़ रुपये थी ।

(ङ) सामान्यत: आय में वृद्धि और मुद्रास्फीति, ये दो महत्वपूर्ण कारक हैं जो मुद्रा के लिये मांग को प्रभावित करते हैं । इन सामान्य कारकों के अतिरिक्त, सरकार को निवल बैंक ऋण में पर्याप्त वृद्धि और बैंकिंग क्षेत्र की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों का अधिक मात्रा में उपार्जन, मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के लिये अन्य कारण हो सकते हैं ।

Investment Grading of India

2524. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether despite impressive array of economic reforms effected by the Indian Government none of the international credit rating agencies have so far upgraded India into investment grading;

(b) if so, what are the reasons therefor and the levels at which India is currently put by such credit raiting agencies;

(c) whether keeping India into Speculative grade has adversely affected the inflow of direct foreign investments;

(d) whether Government have approached these credit rating agencies for up-grading India in investment category; and

(e) if so, what steps have been taken in this direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) and (b) While India is rated one notch below investment grading according to US-based rating agencies, it is in the investment grade according to a Japanese credit rating agency. There has been no upgradation but the rating agencies continue to monitor the economic reform policies.